तीसरी लहर से पहले बड़ा कहर कोरोना से उबर चुके बच्चों के हार्ट, फेफड़े और दिमाग पर असर... पैरालिसिस का भी खतरा

प्रदेश में 6 महीने में 500 बच्चों के मल्टी आर्गन फेल, 8 मौतें भी

जयपुर के ही जेकेलोन में 46 दिन में 60 मामले मिले

भास्कर न्यूज़ | जयपुर

कोरोना की तीसरी लहर से पहले ही इस महामारी से उबर चुके बच्चों में नया खतरा पैदा हो गया है। बीते 6 माह में ही प्रदेश में कोरोना से उबर चुके 500 बच्चों में मल्टी आर्गन फेल होने के मामले सामने आए हैं। इसे मल्टी सिस्टम इन्फ्लेमेटरी सिन्ड्रोम (एमआईएस) कहा जा रहा है। जयपुर के ही जेकेलोन में बीते 46 दिन में ऐसे 60 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 8 बच्चे तो जान भी गंवा चुके हैं। इसके अलावा जयपुर के ही अन्य निजी अस्पतालों में भी इस डिजीज के 34 बच्चे भर्ती हैं। इस बीमारी की चपेट में आने वाले सबसे अधिक बच्चे 6 माह से लेकर 15 साल तक की आयु के हैं। इन बच्चों में कोरोना भी परिजनों से फैला है और ज्यादातर तो ए-सिम्पटोमेटिक रहे। लेकिन बाद में एंटीबॉडी बनी और इस एंटीबॉडी की वजह से अन्य आर्गन व शरीर की कोशिकाएं नष्ट हुई।

हैरत की बात है कि इतने बड़े संकट के बावजूद सरकार कोरोना की तरह इनके आंकड़े रजिस्टर नहीं कर रही। इसकी वजह से पता नहीं चल पा रहा कि प्रदेश के किस अस्पताल में कितने बच्चे इस बीमारी से ग्रस्त हैं या उन्हें क्या इलाज दिया जा रहा है। आंकड़े नहीं होने के कारण गंभीर बीमार बच्चों को समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा और उन्हें जान गंवानी पड़ रही है। राजस्थान के अलावा पंजाब, दिल्ली, गुजरात, केरल में भी ऐसे मामले सामने आने के बाद केंद्र सरकार ने राज्यों को अलर्ट किया है। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स इंटेंसिव केयर चैप्टर की ओर से जारी डेटा के अनुसार कोरोना की दूसरी लहर तक देशभर में दो हजार से ज्यादा बच्चे एमआईएस से पीड़ित मिले हैं।

यह ब्लैक फंगस से भी बड़ा खतरा है, क्योंकि...

सरकार के पास आंकड़े तक नहीं, तीसरी लहर आई तो हालात भयावह होंगे; एमआईएस उन्हीं बच्चों को हुआ, जिन्हें कोरोना था

6 माह से लेकर 15 साल तक के बच्चों को अधिक खतरा।

3-5 दिन बुखार के बाद ब्लड प्रेशर भी गिर रहा

जेके लोन अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक गुप्ता और डॉ. आरके गुप्ता के अनुसार कोरोना संक्रमण से अधिक प्रभावित बच्चों में दो तरह के बदलाव देखने को मिल रहे हैं। बच्चों में निमोनिया या फिर एंटीबॉडी से संबंधित इनफ्लेमेशन भी देखा जा रहा है। बच्चों में एमआईएस का मतलब पहले बुखार आता है। फिर शरीर के महत्वपूर्ण अंग जैसे हार्ट, फेफड़ों और ब्रेन प्रभावित होते हैं। तीन से पांच दिन तक बुखार, पेट में तेज दर्द, ब्लड प्रेशर अचानक गिरने लगता है। एमआईएस जैसी खतरनाक बीमारी में शरीर के कई अंगों में एक साथ इन्फ्लेमेशन हो जाता है। शरीर का इम्यून सिस्टम ही नुकसान के लिए जिम्मेदार है। यह इम्यून सिस्टम के ओवर रिएक्शन से होता है।

लक्षण- बच्चे की हथेली-आंख, चेहरा लाल हों तो तुरंत दिखाएं

इसमें बच्चों की हथेलियां और आंखें, चेहरा व जीभ लाल होने लगती है। ये शुरुआती लक्षण हैं। अधिक दिन बीतने के साथ हार्ट कम काम करने लगता है। क्योंकि हार्ट की धमनियां कोविड की वजह से खराब हो जाती हैं। इसके अलावा दस्त, उल्टी, पेट में दर्द भी इसके लक्षण हैं। बाद में किडनी, लिवर में इंफेक्शन तक हो जाता है। कई ऐसे भी बच्चे आए हैं जिनके तेज बुखार, सांस लेने में तकलीफ, पेट में दर्द, आंतों में रक्तस्राव, पीलिया, बेहोशी तक थी। इसके अलावा इसकी गंभीरता में किसी किसी पेशेंट में खून में थक्का जम सकता है। कई बच्चों में पैरालिसिस तक हो सकता है। इसलिए लक्षणों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है।

विशेषज्ञ बोले- कोरोना के रूप में बदलाव से बच्चों में ज्यादा खतरा

नीति आयोग के सदस्य वीके पॉल के अनुसार वायरस में बदलाव के कारण बच्चों को खतरा बढ़ सकता है। बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होने के कारण 2 से 4% को ही अस्पताल की जरूरत पड़ती है। पहले रूप में बुखार, खांसी और निमोनिया के बाद बच्चों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। लेकिन दूसरे रूप में रिकवरी के 2 से 6 सप्ताह बाद कुछ बच्चे में फिर बुखार, डायरिया और सांस फूलने की दिक्कत संभव है।

महिलाओं के वैक्सीनेशन के लिए सरकार डोर-टू-डोर व्यवस्था करे : राजे

जयपुर | पूर्व सीएम व भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे ने कोरोना से बचाव के लिए चल रहे वैक्सीनेशन अभियान में महिलाओं की कम भागीदार पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं में संक्रमण का ज्यादा खतरा होता है, क्योंकि पूरे घर की जिम्मेदारी उसी पर होती है। परिवार में जब कोई बीमार पड़ता है तो उसकी देखभाल भी उस घर की महिलाएं ही करती है। इसलिए राज्य सरकार महिलाओं के लिए वैक्सीनेशन की व्यवस्था डोर-टू-डोर करे। पूर्व सीएम ने कहा कि राजस्थान में महिलाओं के वैक्सीसनेशन का अनुपात पुरुषों के मुकाबले 94 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि इसका प्रमुख कारण कामकाजी महिलाओं का घर के कामों में व्यस्त रहना है। महिला सुबह से देर रात तक घर के कामों से फ्री ही नहीं हो पाती। इसलिए इनके वैक्सीनेशन के लिए डोर टू डोर व्यवस्था की जाए।

जोधपुर: स्कूल में शिक्षक ने किया दुष्कर्म छठवीं की छात्रा गर्भवती हुई

शेरगढ़ (जोधपुर) | जयपुर में हाईवे और अस्पताल में दुष्कर्म के बाद जोधपुर के शेरगढ़ में स्कूल में छात्रा से दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पंचायत समिति सेखाला के एक सरकारी स्कूल में एक शिक्षक ने छठवीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्रा से दुष्कर्म किया, जबकि दूसरा शिक्षक सहीराम इसकी निगरानी करता रहा। मामला इसी मार्च का है, लेकिन अब छात्रा गर्भवती हुई तो खुलासा हुआ। बालेसर सीओ राजूराम चौधरी ने बताया कि एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी 14 साल की बेटी एक सरकारी स्कूल में कक्षा 6 साल में पढ़ाई कर रही थी। मार्च के दूसरे सप्ताह में स्कूल की छुट्टी होने पर अध्यापक सुरजाराम ने उसे वहीं रोक लिया। साथ में पीड़िता का भाई था, लेकिन उसे सुरजाराम ने गाली-गलौज कर भगा दिया। इसके बाद छात्रा से दुष्कर्म किया। घर आकर पीड़िता रोने लगी और स्कूल नहीं जाने की बात कही। बताया कि शिक्षक सुरजाराम अश्लील हरकत करता है।

गहलोत ने योजना के ड्राफ्ट को दी मंजूरी

प्रदेश में कृषि बिजली कनेक्शन पर किसानों को हर महीने मिलेगी एक हजार रुपए की सब्सिडी

भास्कर न्यूज़ | जयपुर

प्रदेश में किसानों को कृषि बिजली कनेक्शन पर हर महीने एक हजार रुपए की सब्सिडी मिलेगी। यानि सालाना 12 हजार रुपए। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना के ड्राफ्ट को मंजूरी दे दी है। इस योजना से सरकार पर 1450 करोड़ का वित्तीय भार आएगा। किसानों को इसका का फायदा मई महीने से मिलना शुरु हो जाएगा। इस स्कीम का फायदा मीटर्ड कृषि कनेक्शन पर ही मिलेगा। केंद्र व राज्य सरकार के कर्मचारियों और आयकर दाता कृषि उपभोक्ताओं को इस योजना का फायदा नहीं मिलेगा। प्रदेश में 14 लाख 80 हजार 500 कृषि विद्युत कनेक्शन है। मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना का फायदा लेने के लिए किसानों को अपना आधार संख्या व बैंक खाते को योजना से जुड़वाना होगा। बिजली बिल समय पर जमा करवाना होगा। बिजली बिल बकाया होने पर सब्सिडी नहीं मिलेगी। बकाया बिल का पेमेंट करने पर अनुदान राशि अगले बिल में देय होगी। योजना लागू होने के महीने से पहले की बकाया बिल राशि को सब्सिडी में समायोजित नहीं किया जाएगा। यदि कोई किसान बिजली का कम उपभोग करता है और उसका बिल एक हजार रुपए से कम है तो वास्तविक बिल व सब्सिडी राशि का अंतर उसके बैंक खाते में जमा करवाया जाएगा। इससे किसान में बिजली की बचत को प्रोत्साहन मिलेगा।

समझें : इस तरह से मिलेगा फायदा| यदि किसी किसान का बिजली बिल 900 रुपए आता है, तो उसे 60 प्रतिशत यानि 540 रुपए डायरेक्ट सब्सिडी मिल जाएगी। किसान को 40 प्रतिशत बिल 360 रुपए जमा करवाना होगा। सरकार 1000 रुपए की सब्सिडी देने के लिए 460 रुपए किसान के बैंक खाते में सब्सिडी जमा करवा देगी। यदि बिल 2000 का आएगा तो 60 प्रतिशत सब्सिडी बनती है, लेकिन सब्सिडी की अधिकतम सीमा एक हजार रुपए ही है। ऐसे में किसान का एक हजार रुपए का बिल जमा करवाना होगा।

हरित विश्व की ओर अग्रसर
एलएनजी सोचें तो, पीएलएल ही सोचें

PETRONET LNG LIMITED

31 मार्च, 2021 को समाप्त तिमाही और वर्ष के हेतू वित्तीय परिणामों का सार

(₹ लाख में)

क्रं सं	विवरण	एकल					समेकित				
		समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष		समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष	
		31.03.21	31.12.20	31.03.20	31.03.21	31.03.20	31.03.21	31.12.20	31.03.20	31.03.21	31.03.20
		लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
1.	प्रचालनों से कुल आय (शुद्ध)	7,57,532	7,32,823	8,56,715	26,02,290	35,45,200	7,57,532	7,32,823	8,56,715	26,02,290	35,45,200
2.	अवधि के लिए शुद्ध लाभ (कर व असामान्य मदों से पहले)	85,612	1,17,236	48,625	3,96,765	3,18,271	85,612	1,16,097	48,625	3,93,858	3,17,371
3.	कर पूर्व अवधि के लिए शुद्ध लाभ (असामान्य मदों के बाद)	85,612	1,17,236	48,625	3,96,765	3,11,065	87,067	1,17,594	50,043	3,95,751	3,11,640
4.	अवधि के लिए कर के बाद शुद्ध लाभ	62,337	87,847	35,902	2,94,937	2,69,760	63,792	88,205	37,320	2,93,923	2,70,335
5.	अन्य व्यापक आय	(284)	-	(237)	(284)	(237)	(325)	-	(278)	(325)	(283)
6.	कुल व्यापक आय	62,053	87,847	35,665	2,94,653	2,69,523	63,467	88,205	37,042	2,93,598	2,70,052
7.	इक्विटी शेयर पूंजी	1,50,000	1,50,000	1,50,000	1,50,000	1,50,000	1,50,000	1,50,000	1,50,000	1,50,000	1,50,000
8.	अन्य इक्विटी (पुनर्मूल्यांकन आरक्षित को छोड़कर)	10,14,950	9,52,897	9,45,297	10,14,950	9,45,297	10,30,690	9,67,223	9,62,092	10,30,690	9,62,092
9.	प्रति शेयर अर्जन (अंकित मूल्य ₹10/– प्रति शेयर)										
	(क) मूल (₹)	4.16	5.86	2.39	19.66	17.98	4.25	5.88	2.49	19.59	18.02
	(ख) द्रवित (₹)	4.16	5.86	2.39	19.66	17.98	4.25	5.88	2.49	19.59	18.02
		वार्षिकीकृत नहीं			वार्षिकीकृत		वार्षिकीकृत नहीं			वार्षिकीकृत	

टिप्पणियां:

1. उपरोक्त वित्तीय परिणामों की लेखापरीक्षा समिति द्वारा समीक्षा की गई है और कंपनी के निदेशक मंडल ने 8 जून 2021 को अनूमोदित किया है। कम्पनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों ने उपरोक्त परिणामों का अंकेक्षण किया है।
2. उपरोक्त सेबी के विनियम 33 (सूचीयन एवं अन्य प्रकटन अपेक्षाएं) विनियम, 2015 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंजों में दाखिल, 31 मार्च, 2021 को समाप्त तिमाही एवं वर्ष के लिए पुनरावलोकित एकल एवं समेकित वित्तीय परिणामों के पूर्ण प्रारूप का सारांष है। अवलोकित एकल एवं समेकित वित्तीय परिणामों के विवरणों का पूर्ण प्रारूप नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज और कंपनी की वेबसाइट (www.petronetlng.in) पर उपलब्ध हैं।

बोर्ड के आदेशानुसार
ह0/–
विनोद कुमार मिश्रा
निदेशक (वित्त)
डीआईएन : 08125144

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 8 जून, 2021

PETRONET LNG LIMITED
सीआईएन: L74899DL 1998PLC093073
पहला तल, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, बाबर रोड, बाराखंबा लेन, नई दिल्ली-110001

PETRONET LNG FOUNDATION
इमेल : info@petronetlngfoundation.org
वेबसाईट : www.petronetlngfoundation.org
सीआईएन : U85320DL2017NPL315422

Taral GAS

www.petronetlng.in

लुधियाना की हाई-टेक इंडस्ट्रियल हब का एक हिस्सा बनें।

PSIEC

पीएसआईईसी
पेश करते हैं
धनासू, जिला लुधियाना
पर मार्डर्न हाई-टेक साइकल वैली
में लैंड का इंडस्ट्रियल खंड (लीज होल्ड आधार पर)
ई-नीलामी द्वारा

आरंभ तिथि
10.06.2021 को प्रातः 10.00 बजे

समापन तिथि
30.06.2021 को अप. 3.00 बजे

इंडस्ट्रियल खंड का विवरण

Size (Sq. Yd.)	Plot No.	Rate per Sq. Yd.	Eligibility Fee
57 Acres	B-1	4783.50/-	2,63,93,440/-
17 Acres	C-2, D-01(P) (Clubbed plots)	5261.85/-	86,58,901/-
4.38 Acres	D-02 (P)	6600/-	27,98,295/-

- एकेआईसी जोन के भीतर पड़ती स्थल
- लुधियाना एयरपोर्ट से 14 कि.मी.
- लुधियाना रेलवे स्टेशन से 18 कि.मी.
- 100 एकड़ हीरो इंडस्ट्रीयल पार्क के साथ
- चंडीगढ़-लुधियाना रोड (एनएच-5) से सीधी पहुंच 100 फीट चौड़ी कंक्रीट रोड द्वारा

ई नीलामी हेतु दिशा निर्देश

- विस्तृत नियम एवं शर्तं www.psiec.punjab.gov.in पर उपलब्ध है।
- बोली दाता www.pbindustries.gov.in पर इनरोल करना आवश्यक है।
- बोलीदाता को एक हाई डाटा नेटवर्क कनेक्शन के उपयोग करने की सलाह दी जाती है। पीएसआईईसी आपने भाग पर नेटवर्क फेलियर अथवा लैपस होने का जिम्मेवार नहीं होगा।
- ई नीलामी के विस्तार से संबधित किसी सूचना अथवा प्रस्तावित कथित संपत्ति के साथ कोई भी शुद्धिपत्र www.psiec.punjab.gov.in एवं www.pbindustries.gov.in पर घोषित किया जाएगा।
- उपरोक्त तालिका मे (P) पर दर्शाया नोट कार्नर प्लॉट है। कार्नर प्लाट के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त वसूला जाएगा।
- प्लॉट का आकार / परिमाप, लेआउट प्लॉन, आरक्षित कीमत हेल्प मैन्यूअल तथा ई नीलामी की विस्तृत नियम एवं शर्त सहित पात्रता एवं जमा धरोहर राशि (ईएमडी) www.psiec.punjab.gov.in पर उपलब्ध है।

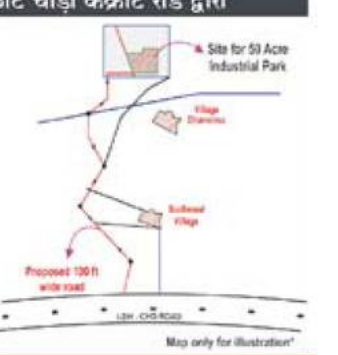

हेल्पलाईन नं. (प्रातः 9 बजे से सांय 5.00 बजे तक)
6284999031, 6284999032
support.punjab@nextenders.com
eauctions.psiec@gmail.com

पंजाब लघु उद्योग एवं निर्यात निगम लिमिटेड
(राज्य सरकार का एक उपक्रम)
18 हिमालय मार्ग उद्योग भवन सेक्टर 17-ए, चंडीगढ़ -160017